



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 296]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 2, 2001/कार्तिक 11, 1923

No. 296]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 2, 2001/KARTIKA 11, 1923

बाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(बाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 नवम्बर, 2001

प्रारंभिक निष्कर्ष

सं० 34/1/2001-डीजीएडी:- सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पारित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनराधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 का ध्यान में रखत हुए

क. प्रक्रिया

1 जाच के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया अपनायी गयी हैं:-

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिस इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को उपरोक्त नियमावली के अधीन में इडा एशियन फ्यूसगिंगर लिंग एवं मैट्रो ओसराम इंडिया लिंग से लिखित यांचिका प्राप्त हुई जिसमें चीन जनगणना तथा हांगकांग के मूल के अथवा वहाँ से नियांत किए गए काम्पक्ट फलूरेसेट लैम्पस (सीएफएल) के पाटन का आरोप लगाया गया था।

(ii) याचिका की आरंभिक जांच से कतिपय त्रुटियों का पता लगा जिन्हें याचिकाकर्ता द्वारा बाद मे ठीक कर दिया गया था। इसके बाद याचिका का समुचित ढंग से प्रलेखित माना गया था।

(iii) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्षों के आधार पर प्राधिकारी ने चीन जनगणना तथा हांगकांग के मूल के अथवा वहां से निर्यातित काम्पेक्ट फ्लूरेसेंट लेम्पस के कथित पाटित आयातों की जांच आरंभ करने का निर्णय किया। प्राधिकारी ने नियमों के उपनियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले पाटन के आरोप के प्राप्त होने की सूचना संबद्ध देशों के नई दिल्ली स्थित दूतावासों को दी।

(iv) प्राधिकारी न सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 85 के सीमाशुल्क के उपशीर्ष स 8539.31 के अंतर्गत वर्गीकृत उक्त देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीएफएल के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरंभ करते हुए दिनांक 16 अगस्त, 2001 के सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण मे प्रकाशित किया गया।

(v) प्राधिकारी न सार्वजनिक सूचना की एक प्रति सीएफएल के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) और उद्योग संघों को भेजी, और उन्हें पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया।

(vi) प्राधिकारी न सीएफएल के ज्ञात आयातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे, को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उनसे पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप से देने के लिए कहा

(vii) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से अनुरोध किया गया था कि कार्पेक्ट फलूरेसेंट लैम्प्स के आयातों का विवरण दिया जाए ।

(viii) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की प्रतियाँ संबद्ध देशों में ज्ञात निर्यातकों और भारत में आयातकों का उपलब्ध करवाई ।

(ix) प्राधिकारी ने संबद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए नियम 6(4) के अनुसार निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी:-

निर्यातकों के नाम:

1. फिलिप्प एंड यार्मिंग लाइटिंग कं0 लि0 66, लिआओं यांग रोड, शंघाई, चीन, पोर्ट कोड-200082, चीन
2. चांगचुन इलैक्ट्रिक वायर एड बल्ब फैक्ट्री 40, केयून स्ट्रीट, चांगचुन, जिलिन, चीन, पोर्ट कोड-130012
3. फ्युजिआन फ्यूजोऊ लाइट बल्ब फैक्ट्री गान्जी राड, फ्यूजोऊ, फ्युजिआन प्रोविंस, चीन, पोर्ट कोड-350004
4. गुआनगोऊ फ्लैश लाईट इडस्टीयल कोरपोरेशन
5. गुनजोऊ पान्यु सिएगुल फ्लैश लाइट इडरट्री कं0 सं0 13, युसन डा रोड, क्यूआटाउन, पान्यु, गुआनगडोंग, चीन, पोर्ट कोड-511400
6. हैनान अन्यांग बल्ब फैक्ट्री, सं0 10, डगटा रोड, अन्यांग, हीनान, चीन पोर्ट कोड-455000
7. जिआनगरस्यु यूजोउ एवरलास्टिंग लाइटिंग इलैक्ट्रिकल इकियपमेंट होल्डिंग कं0 लि0 सं0 30, कुआनसान राड, यूजोउ, जिआगस्यु प्राविन्स, चीन पोर्ट कोड-221006
8. लेंगिंग इलैक्ट्रिक बल्ब फैक्ट्री, नं0 50, होगी, वर्स्ट राड, हागकियांग लकिंग, झेंजिंगआंग चीन, पोर्ट कोड- 325100

9. शंघई यामिंग इलैक्ट्रिक लैम्प वर्कस को लिंगो सं 66 लिआओयांग राड, शंघई, चीन पारस्ट कोड-200082
10. चान्जोउ रेडसम इलैक्ट्रिकल्स एपलाइंसस मैन्युफैक्चरिंग कंगो लिंगो, हानगी रोड, चानाजोऊ जिंगसू, चीन पोरस्ट कोड-213023
11. झेजिंग सनलाईट ग्रुप कंगो, लिंगो, सं 129, फेनघान रोड, शंघयु सिटि, झेजिंग, चीन
12. सिनो-लक्सस डेवलपमेंट लिंगो, नाईन-व्हीनस राड, सूट सं 605-6, सद्रल हांगकांग
13. वाई यात (हांगकांग) कंगो लिंगो हांगकांग

निम्नलिखित निर्यातकों से उत्तर प्राप्त हुए थे:-

1. मैंगो फिलिप्प एंड यामिंग लाइटिंग कंगो लिंगो, चीन
2. मैंगो झेजिंग यानकोन लाइटिंग कंगो चीन;

(x) दूतावासों जो नियम 5(5) के अनुसार जांच की शुरूआत के बारे में सूचना दी गयी थी और उनसे अपने-अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर भेजने का आग्रह करने का अनुरोध किया गया था। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की प्रति भी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों के नाम और पतों सहित उन्हें भेजी गयी थी।

(xi) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में सीएफएल के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों को एक प्रश्नावली भेजी गयी थी:-

आयातकों की सूची:-

1. फिलिप्प इंडिया लिंगो, पी-65, तारतोला रोड, कलकत्ता-700088
2. जीई लाइटिंग (इंडिया)लिंगो एच आर काम्पलेक्स, 310/6, इंडस्ट्रीयल मेन रोड, कोरमंगला-V ब्लाक, बंगलौर-560095
3. विपरी लाइटिंग तुलसी चैम्बर्स, जलना राड, ओरंगाबाद-431001, महाराष्ट्र।
4. सैमसन लाइटिंग प्रा० लिंगो 33, 6 एमएम स्ट्रीट, चेन्नई-600079, तमिलनाडु

5. बिट्स एंड ब्लास्टर कम्पयूटर्स प्रा० लि०, 19/1, एमसी निकोलस रोड, चेटपेट, चेन्नई,
तमिलनाडु
6. हमीम ट्रेडिंग कम्पनी ७, थम्बु, चेट्टी स्ट्रीट, चेन्नई, तमिलनाडु
7. मॉ शोरावाली एक्सपोर्ट्स, ३६, इस्ट एवेन्यू, पंजाबी बाग, नई दिल्ली
8. शालीमार इलैक्ट्रॉनिक इंडस्ट्रीज, लीडर हाउस, ९बी, महल इंडस्ट्रीयल एस्टेट, महाकाली
कावेस राड, अंधेरी (पूर्व), मुम्बई-९३
9. मै० कुमार इलैक्ट्रिकल, १३११/८, फार्जिल राड, आसफ अली मार्ग, सिटी क्लिनिक के
पीछे, अजमेरी गेट, दिल्ली-६
10. मै० पदम इलैक्ट्रिकल्स लि०, पी०एस० भवन, ए-२५, जीटी करनाल राड, ड डस्ट्रीयल एरिया
दिल्ली - ३३
11. मै० सूर्या राशनी लि०, पदमा टावर-१, राजन्द्रा प्लस, नई दिल्ली-११०००८
12. मै० क्राम्पटन ग्रीवस लि०, लाइटिंग विजनस ग्रुप, ४०५, कोनकोर्ड, आरसी दत्त रोड,
बडौदा-३९०००५

निम्नलिखित से उत्तर प्राप्त हुए थे :-

1. मै० जीड लाइटिंग इंडिया प्रा० लि०, बगलौर
2. मै० विपरा कज्यूमर कयर एड लाइटिंग बंगलौर
3. मै० लीडर इलैक्ट्रिकल्स प्रा० लि०, मुम्बई
4. मै० गारव इंटरनेशनल, नई दिल्ली
5. मै० मद्रास इलैक्ट्रिक ट्रेडस एसोशिएशन, चेन्नई
6. मै० फिलिप्स इंडिया, कलकत्ता

(xiii) प्राधिकारी ने अपने द्वारा रखी गयी सार्वजनिक फाइल के रूप में, विभिन्न हितबद्ध
पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगापनीय अंश उपलब्ध रखे और उस हितबद्ध पार्टियों
द्वारा दखन के लिए खुला रखा

(xiii) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर भारत में संबद्ध माल की इष्टतम उत्पादन लागत तथा माल का बनाने और बेचने की लागत जिकालने के लिए लागत संबंधी सूचनामांगी गयी थी ताकि पता लगाया जा सके कि क्या घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए डम्पिंग मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क लगाना पर्याप्त रहेगा ।

(xiv) ... यह चिट्ठा इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गयी सूचना तथा नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे ऐसा ही माने जाने का द्योतक है:

(xv) जाच 1 अप्रैल, 2000 से 31 मार्च, 2001 तक की अवधि के लिए की गयी थी ।

ख. याचिकाकर्त्ताओं, निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

याचिकाकर्त्ताओं के विचार

2.1 जहाँ तक आयातित उत्पाद के बारे में सूचना का संबंध है, याचिकाकर्त्ताओं ने बताया है कि उत्पाद एक अथवा अधिक ग्लास ट्यूब वाल काम्पेक्ट फ्लूरेसेंट डिस्चार्ज लैम्प (सीएफएल) हैं, जिनमें सभी लाइटिंग एलीमेट, सभी इलैक्ट्रानिक संघटक होते हैं और लैम्प तल में समेकित कैप होती है । चाक/ब्लास्ट सहित तथा चोक/ब्लास्ट रहित सीएफएल को भी इसमें शामिल किया गया है । सीएफएल की श्रणियों को वाट, समयावधि, माडों की संख्या, तले की स्थिति कवर के स्वरूप इत्यादि के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है ।

2.2 सीएफएल नए दौर के लैम्प हैं जिनमें विद्युत की कम खपत, लम्बी समयावधि और काम्पेक्ट आकार जैसी उत्कृष्ट विशेषताएं होती हैं ।

जहाँ तक सामान्य मूल्य का संबंध है, याचिकाकर्ताओं ने यह उल्लेख करते हुए कि यह चीन में प्रचलित घरेलू खुदरा बिक्री कीमतों पर आधारित रहा है, इस बात की ओर संकेत किया है कि चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

अतः सामान्य मूल्य, भारत, जिसे एक प्रतिनिधि देश माना जाता है, मेंश्रिकलित मूल्य पर आधारित होना चाहिए, क्योंकि चीन में प्रचलित घरेलू बिक्री कीमतों में पण्यवस्तु का उचित मूल्य प्रदर्शित नहीं होता है क्योंकि चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है जो लागत एवं कीमत ढांचे के बाजारी सिद्धांतों पर नहीं चलता है।

2.3 जहाँ तक हांगकांग के लिए सामान्य मूल्य का संबंध है, याचिकाकर्ताओं ने यह उल्लेख किया है कि हांगकांग में कोई विनिर्माण सुविधा नहीं है और निर्यात केवल चीन मूल के सीएफएल के हुए हैं। याचिकाकर्ताओं ने यह भी उल्लेख किया है कि चीन तथा हांगकांग से भारत में सीएफएल के हुए आयातों में समग्र रूप से अत्यधिक वृद्धि हुई है।

2.4 पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2000-2001 के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में 7% तक की गिरावट आई है, जबकि भारत में बाजार के आकार में 34% की वृद्धि हुयी है। चीन एवं हांगकांग से हुए पाठित आयातों के कारण घरेलू बिक्री कीमत, कीमत कटौती तथा कीमत ज्ञास से प्रभावित हो रही है। घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभों में अत्यधिक कमी आई है।

सामान्य मूल्य

2.5 याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि चीन को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था (एमएनई) वाले देश के रूप में माना जाता है और सामान्य मूल्य का आकलन करने के लिए भारत को एक प्रतिनिधि देश के रूप में स्वीकार किया गया है। हालांकि चीन में प्रचलित घरेलू बिक्री कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य का आकलन किया गया है तथापि उन्होंने यह तर्क दिया है कि इन कीमतों में वस्तुओं का उचित मूल्य प्रदर्शित नहीं होता है क्योंकि चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

निर्यात कीमत

2.6 याचिकाकर्त्ताओं ने शीर्ष 8539.31 के तहत आने वाले सभी लैम्पों की सभी किस्मों के लिए डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों को प्रस्तुत किया है। डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों में सी एफ एल और अन्य लैम्पों के आयातों के अलग-अलग ब्यौरे नहीं दिए गए हैं। मैसर्स इम्पैक्स स्टेटिस्टिक्स सर्विस द्वारा द्वितीयक स्रोतों द्वारा प्रकाशित आयात संबंधी आंकड़े जांच अवधि के लिए प्रस्तुत किए गए हैं। इम्पैक्स आंकड़ों में मद-वार वर्णन है। इसी के आधार पर केवल सीएफएल के आयातों के आंकड़ों को अलग किया गया है और उन्हें प्रस्तुत किया गया है।

निर्यातकों के विचार3.1 मैसर्स फिलिप्स एंड थैमिंग लाइटिंग कं0/लि0, चीन

निर्यातकों ने बताया है कि याचिकाकर्त्ताओं ने अपनी याचिका में भारत को गलत ढंग से प्रतिनिधि-देश के रूप में चुना है। निर्यातकों ने बताया है कि चीन में घरेलू बिक्रियां मै0 पिट्सको के जरिए की जाती हैं, जो मैसर्स रायल फिलिप्स इलैक्ट्रॉनिक एन वी के परोक्ष स्वामित्व में है। फिलिप्स (इंडिया) भारत में मै0 फिलिप एंड थैमिंग कं0 का एकमात्र आयातक भी है।

3.2 उन्होंने यह भी बताया है कि मै0 फिलिप्स एंड थैमिंग कं0 द्वारा बेचे गए कुछेक उत्पाद असंबद्ध कंपनियों से प्राप्त किए गए हैं। फिलिप्स समूह को बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनी माना जाना चाहिए। विचाराधीन उत्पाद को दो अलग श्रेणियों अर्थात् बलास्ट और चोक रहित सी एफ एल और बलास्ट और चोक सहित सी एफएल, में विभाजित किया जा सकता है। फिलिप्स ग्रुप भारत में कई दशकों से कार्य कर रहा है और पाटनरोधी जांच में पूरा सहयोग करने का इच्छुक है।

3.3 मैसर्स झिजियांग थैंकॉन लाइटिंग कं0 लि0, चीन

निर्यातकों ने बताया है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान सी एफ एल का निर्यात नहीं किया है। अतः वे निकट भविष्य में भारत को इसका निर्यात करने के इच्छुक हैं और पाटनरोधी नियमों के नियम 22 के अनुसार एक नई शिपर समीक्षा चाहते हैं।

आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार3.4 मै0 विप्रो0 लि0, बंगलौर

आयातकों ने निर्धारित प्रश्नावली में सूचना प्रस्तुत की है।

3.5 मै0 जी ई लि0 बंगलौर

आयातकों ने निर्धारित प्रश्नावली में सूचना प्रस्तुत की है।

3.6 मै0 लीडर इलैक्ट्रिकल्स प्रा0 लि0, मुम्बई

आयातकों ने निर्धारित प्रपत्र में सूचना प्रस्तुत की है।

3.7 मद्रास इलैक्ट्रिकल्स ट्रेक्स एसोसिएशन, थैनई

1. याचिकाकर्ताओं का आधार संदिग्ध है इसकी जांच की जानी है।
2. ओसराम इंडिया लि0 और इंडो एशियन फियूजिंगिअर लि0 दोनों याचिकाकर्ता चीन से सीएफएल का आयात करते हैं। इसकी जांच की जानी है।
3. भारत में सी एफ एल की लागत और चीन में सी एफ एल की लागत में मूल अंतर इसलिए है क्योंकि याचिकाकर्ताओं ने सुधार कार्य जारी नहीं रखा है।
4. याचिकाकर्ताओं द्वारा बाजार की मांग को पूरा करने की क्षमता की जांच की जानी है।
5. सी एफ एल पर शुल्क पहले से ही उच्च स्तर पर है। जांच अवधि के दौरान सी एफ एल के आयातकों से संग्रहित शुल्क की जांच की जानी है।
6. सी एफ एल पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से आम उपयोक्ता निश्चित तौर पर प्रभावित होगा, जो कि म कीमतों से लाभान्वित होते हैं।

मै0 गोरव इंटरनेशनल, नई दिल्ली

कंपनी के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया था कि वह अपने मौखिक अनुरोधों के आधार पर लिखित अनुरोध प्रस्तुत करें। तथापि, निर्धारित समयावधि में कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है।

(ग) उठाए गए मुद्दों की जांच

- 4.0 याचिकाकर्ता, निर्यातकों और आयातकों द्वारा किए गए अनुरोधों की उस सीमा तक जांच की गई है, जहां तक वे नियमों के तहत संगत हैं और जहां तक वे इस मामले पर प्रभाव डालते हैं और उन पर नीचे उचित स्थानों पर कार्रवाई की गयी है।

(घ) जांचाधीन उत्पाद

5. याचिका में शामिल उत्पाद चीन जनवादी गणराज्य और हांगकांग के मूल का या वहां से निर्यातित कम्पैक्ट फ्लूरसैंट लैंप (सीएलएफ) है। यह उत्पाद भारतीय सीमा शुल्क टैरिफ

वर्गीकरण के तहत शीर्ष सं0 85.39.31.00 और एचएस वर्गीकरण के अंतर्गत सीमा शुल्क टैरिफ शीर्ष सं0 85.39.31 के तहत वर्गीकृत है। तथापि यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और वर्तमान जांच पर किसी प्रकार से बाध्य नहीं है। इस जांच में शामिल उत्पाद कम्पैक्ट फ्लूरेसेंट डिसचार्ज लैम्पस (सीएफएल) जिसमें एक या अधिक ग्लास ट्यूब और सभी लाइटिंग एलीमेंट, सभी इलैक्ट्रानिक घटक होते हैं और लैम्प की तली में समेकित कैप होती है। चोक या बलास्ट रहित कम्पैक्ट फ्लूरेसेंट लैम्पों को भी शामिल किया गया है।

घ. समान वस्तु

6.1 समान वस्तु की परिभाषा में निम्नानुसार उल्लेख है:-

- ‘ समान वस्तु का तात्पर्य किसी ऐसी वस्तु से है जो भारत में पाठित किए जाने के लिए जांच के अधीन वस्तु से हर प्रकार से समरूप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में ऐसी किसी अन्य वस्तु से है जो यद्यपि हर प्रकार से समान नहीं है, तथापि जिसकी विशेषताएं जांच के अधीन वस्तुओं से काफी मिलती-जुलती हैं।
- 6.2 उपरोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित सी एफ एल चीन जनवादी गणराज्य और हांगकांग से आयातित सी एफ एल के समान वस्तु है।

(छ) घरेलू उद्योग

- 7.0 उक्त याचिका घरेलू उद्योग की ओर से मै0 इंडो एशियन फ्यूजिङिअर लि�0, नई दिल्ली और मै0 ओसराम इंडिया लि�0, गुडगांव द्वारा दायर की गई है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि जांच अवधि के दौरान उत्पादन में उनका हिस्सा लगभग 59 % बनता है और इसलिए उनके पास घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने का आधार है। यह सूचना दी गई है कि संबद्ध वस्तु के तीन और उत्पादक, नामतः मै0 फिनिक्स लैम्प्स इंडिया लि�0, निर्यात संसाधन जोन, फेज-II, नोएडा-201305 और मै0 स्टारलाइट लाइटिंग लि�0, सतपुर, नासिक हैं, जो कि मुख्यतः निर्यातोन्मुखी एकक हैं और मै0 पंजाब आनंद लैम्प इंडस्ट्रीज लि�0, मोहाली, का सी एफ एल का उत्पादन नगण्य है।

7.1 उपरोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि याचिकाकर्ता के पास नियमों के तहत घरेलू उद्योग की ओर से उक्त याचिका दायर करने का आधार है ।

छ. पाटन

8.1 धारा 9 क(1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

“(i) समान वस्तु के लिए सामान्य व्यापार के रूप में तुलनीय मूल्य जब तक वह निर्यातक देश या क्षेत्र में उपयोग के निमित्त हो जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया गया हो, या

(ii) जब सामान्य व्यापार के रूप में निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में समान वस्तु की कोई बिक्री न हो या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बोजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं की जा सकती, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा ;

(क) समान वस्तु का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य जब उसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उपयुक्त अन्य देश से किया जाए जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए ; या

(ख) उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु उत्पादन लागत ; जिसमें प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उपयुक्त राशि जोड़ी गई हो जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए :

बशर्ते कि ऐसे मामले में जहां वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से इतर किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु को निर्यात वाले देश से होकर केवल वाहनान्तरित किया गया हो या ऐसी वस्तु का निर्यात वाले देश में उत्पादन नहीं किया जाता हो या निर्यात वाले देश में कोई भी तुलनात्मक कीमत नहीं हो तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा ।”

सामान्य मूल्य

8.२ याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था (एमएनई) वाला देश माना जाए । यद्यपि चीन में प्रचलित घरेलू बिक्री कीमतों पर आधारित सामान्य मूल्य का

आकलन किया गया है। उस प्रस्तुत किया गया है तथापि, उन्होंने यह तर्क दिया है कि उक्त कीमतों में उक्त वस्तु की उचित कीमत प्रदर्शित नहीं होती है क्योंकि चीन गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

8.2.1 एक निर्यातक को छोड़कर, चीन जनवादी गणराज्य और हांगकांग से किसी भी निर्यातक ने इस पाटनरोधी जांच के बारे में जवाब नहीं दिया है।

8.2.2 प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै0 फिलिप्प एंड यैमिंग ने निर्यातकों के लिए निर्धारित प्रश्नावली में सूचना प्रस्तुत की है। निर्यातक ने बताया है कि चीन में घरेलू बिक्रियां मै0 पिटस्को के जरिए की जाती हैं जो मै0 रॉयल फिलिप्प इलैक्ट्रॉनिक एन वी के परोक्ष स्वामित्व में है। दूसरे शब्दों में, घरेलू बिक्रियाएं एक संबद्ध कंपनी के जरिए की जाती हैं। इसलिए, घरेलू बिक्री कीमत को ज्यों का त्यों स्वीकार नहीं किया जा सकता है जब तक कि यह सिद्ध न हो जाए कि कीमत कंपनीगत संबंध द्वारा प्रभावित नहीं होती है। इसके अलावा, उन्होंने यह बताया है कि मै0 फिलिप्प यैमिंग कं0 द्वारा बेचे गए कुछ उत्पाद असंबद्ध कंपनियों से प्राप्त किए जाते हैं और फिलिप्प युप को बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनी के रूप में माना जाना चाहिए। उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि विचाराधीन उत्पाद को दो अलग-अलग श्रेणियों, नामतः सी एफ एल बलास्ट/चोक रहित और सीएफएल बलास्ट/चोक सहित में बांटा जा सकता है।

8.2.3 प्राधिकारी नोट करते हैं कि परिशिष्ट 8 में लैम्पों के कुछेक टाइपों के लिए दी गई सूचना जिसमें फैक्टरी लागत और भारत को निर्यात/घरेलू बिक्रियों से प्राप्त लाभ को दर्शाया गया है, से हानि प्रदर्शित होती है। इसके अलावा, निर्यातकों ने परिशिष्ट 4 में भारत को नियातों/घरेलू बिक्रियों के लिए बिक्री कीमत ढांचे के लिए किसी भी समायोजन का दावा नहीं किया है। इन परिस्थितियों में, प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ लागत का परिकलन किया है। सीएफएल-पीएलईयू और एसएलई (चोक/ब्लास्ट सहित) के संबंध में परिशिष्ट-8 में संगत सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है। इन परिस्थितियों में, प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना और रिकार्ड में दर्ज सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर विश्वास किया है और सीएफएल, चोक रहित/चोक सहित, के लिए सामान्य मूल्य को निर्धारण किया है।

8.2.4 प्राधिकारी ने गैर-बोजार अर्थव्यवस्था के संबंध में निम्नलिखित प्रावधानों की ओर सभी हितबद्ध पक्षों का ध्यान आकर्षित किया था:-

इस पैराग्राफ की टिप्पणी के अनुसार 'गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश' शब्द से तात्पर्य ऐसे प्रत्येक देश से है जो उक्त टिप्पणी में सूचीबद्ध है और इसमें ऐसा कोई भी देश शामिल है जिसका निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्धारण करते हैं और जो देश लागत और कीमत निर्धारण संबंधी ढाँचे के बाजार सिद्धांतों पर कार्य नहीं करता है जिससे कि ऐसे देश में वस्तुओं की बिक्री से उक्त वस्तु के उचित मूल्य पता चल सके। ऐसा निर्धारण करते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी इस तथ्य पर विचार करेगा कि क्या:-

- (i) कच्ची सामग्रियों समेत कीमतों, लागतों और निविष्टियों, प्रौद्योगिकी एवं श्रम लागत, निविष्टि, बिक्रियां एवं निवेश के बारे में ऐसे देश की संबंधित फर्मों का निर्णय बाजारी संकेतों जो आपूर्ति एवं मांग प्रदर्शित करते हैं, के अनुरूप और इस बारे में पर्याप्त सरकारी हस्तक्षेप के बिना लिया जाता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत से बाजार मूल्य प्र्याप्ततः प्रदर्शित होते हैं;
- (ii) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति महत्वपूर्ण विकृतियों के अधीन है जो पूर्ण गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली खासकर पारिसम्पत्तियों के मूल्य ह्रास, अन्य बट्टे खातों, वस्तु विनियम व्यापार और श्रृंगों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान के कारण आई हैं;
- (iii) ऐसी फर्मों दिवालिएपन और सम्पत्ति संबंधी ऐसे कानूनों के अधीन हैं जो फर्म के प्रचालन हेतु कानूनी निश्चितता और स्थायित्व की गारंटी प्रदान करते हैं; और
- (iv) विनियम दर परिवर्तन बाजार दर पर किया जाता है;
किन्तु रूस और चीन जनवादी गणराज्य की बदलती हुई आर्थिक स्थितियों को देखते हुए, जहां इस पैराग्राफ में विनिर्दिष्ट कारकों के बारे में लिखित में पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर यह प्रदर्शित किया जाता है कि ऐसी ही एक अथवा अधिक फर्मों के लिए विद्यमान बाजारी दशाएं पाटनरोधी जांच के अधीन हैं, वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी इस पैराग्राफ में निर्धारित सिद्धांतों के बजाय पैराग्राफ 1 से 6 तक में निर्धारित सिद्धांतों का प्रयोग कर सकता है।

8.3 उक्त प्रावधानों का उल्लेख जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में भी किया गया है। यदि चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातक अपने निर्यातों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश से होने का दावा करते हैं तो प्राधिकारी को प्राप्त साक्ष्य उपलब्ध कराने का दायित्व उन निर्यातकों के ऊपर

होगा। तथापि यह नोट किया जाता है कि मै0 फिलिप्स ने इस संबंध में कोई सूचना उपलब्ध नहीं की है।

8.4 इन परिस्थितियों में, प्राधिकारी को निर्यातकों द्वारा दी गई सूचना का उपयोग करने से रोका गया है और इसलिए उन्होंने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना और रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर विश्वास किया है ताकि सीएफएल के लिए सामान्य मूल्य की गणना की जा सके।

8.5 जहाँ तक हांगकांग का संबंध है, प्राधिकारी ने चीन जनवादी गणराज्य के लिए प्रस्तुत आंकड़ों पर विश्वास किया है क्योंकि हांगकांग में कोई विनिर्माण सुविधा नहीं है और यह सूचित किया गया है कि हांगकांग से आयातित वस्तु चीन के मूल की है। तदनुसार, सीएफएल (चोक रहित) के संबंध में हांगकांग के लिए केवल दावानुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।

निर्यात कीमत:

8.6 सूचना के अनुसार मै0 फिलिप्स (इंडिया) भारत में फिलिप एंड यैमिंग कं0 का एकमात्र आयातक है। इसलिए, निर्यात कीमत भी कम्पनीगत संबंध से प्रभावित होने वाली प्रतीत होगी और इसलिए, भारत में असंबद्ध क्रेताओं को फिलिप्स (इंडिया) की पुर्नबिक्री कीमत के आधार पर इसका आकलन करने की जरूरत है।

8.7 प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै0 फिलिप्स एण्ड यामिंग ने भारत का किए गए निर्यात के लिए तथा मै0 फिलिप्स (इंडिया), जो एकमात्र आयातक एवं सबद्ध कंपनी है, के जरिए की गई बिक्रियों के लिए निर्धारित प्रश्नावली में सूचना प्रस्तुत की है। बीजक मूल्य भारत के किसी स्वतंत्र क्रेता के लिए नहीं है और इसलिए यह सूचना संबद्ध नहीं है।

8.8 प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि मै0 फिलिप्स इंडिया द्वारा दी गई सूचना निर्धारित समय-सीमा के काफी बाद उपलब्ध हुई है और प्रारंभिक निष्कर्षों के लिए इस पर विचार नहीं किया गया है।

8.9 मै0 फिलिप्स एंड यामिंग क0 ने यह निवदन किया है कि विचाराधीन उत्पाद को दो अलग-अलग श्रेणियों में बांटा जा सकता है, नामतः चोक रहित सीएफएल तथा चोक सहित सीएफएल। इसे स्वीकार कर लिया गया है।

8.10 याचिकाकर्ताओं ने संबद्ध देशों के लिए भारत को किए गए सीएफएल (चोक रहित तथा चोक सहित) के आयात के बारे में अलग-अलग रूप में सूचना दने वाले मै0 इम्पेक्स स्टैटिस्टिक सर्विस नामक द्वितीय स्रोत के आधार पर आयात संबंधी सूचना प्रस्तुत की है। जांच अवधि के लिए दी गई सूचना का निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु मान लिया गया है। प्राधिकारी ने माल-भाड़े, बीमा, रख-रखाव प्रभार, छूट, कमीशन के संबंध में समायोजन के बाद निर्यात कीमत का निर्धारण किया है।

पाटन मार्जिन

इस बात के पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य हैं कि संबद्ध देश से भारत को किए गए निर्यात के लिए निर्यात कीमत उक्त देश के सामान्य मूल्य से कम थी इसलिए इस बात के पर्याप्त साक्ष्य हैं कि विचाराधीन उत्पाद का संबद्ध देश से भारत में पाटन किया गया है।

8.12 तुलना से सबंधित नियमों, जिसमें सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के बीच तुलना किए जाने का प्रावधान है में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

"डिपिंग का मार्जिन निकालते समय, निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के इसी स्तर पर सामान्यतः कारखाना द्वारा स्तर पर की जाएगी और यथासम्भव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। जो अतर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी। अतर में शामिल हैं बिक्री की शर्त, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं विशेषताएं तथा अन्य अतर जा कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।"

सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य के बीच उचित तुलना के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी न याचिकाकर्ताओं एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और प्राधिकारी के पास उपलब्ध अन्य प्रकाशित सूचना को ध्यान में रखा

डिपिंग मार्जिन निम्नानुसार है:-

अमरीकी डालर में

दश/नियातक का नाम	सामान्य मूल्य		नियात कीमत		पाठन मार्जिन		पाठन मार्जिन %	
सीएफएल के प्रकार	चोक रहित	चोक सहित	चोक रहित	चोक सहित	चोक रहित	चोक सहित	चोक रहित	चोक सहित
चीन जन0गण0								
मे0 फिलिप्प्स एण्ड यामिंग लाईटिंग कं0लि0							214%	168%
अन्य सभी नियातक							214%	168%
हांगकांग सभी नियातक							214% ⁰ %	

ज. क्षति

9.0 उपरोक्त नियम 11, अनुबंध-॥ के अंतर्गत जब क्षति के बारे में निष्कर्ष निकाला जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में मूल्यों पर उनका प्रभाव, ऐसे वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामकारी प्रभावों समेत सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए" घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा ।

मूल्यों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जांच करनी आवश्यक समझी जाती है कि क्या भारत में समान वस्तु के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों से मूल्यों में पर्याप्त गिरावट रही है अथवा क्या अन्यथा ऐसे आयातों का उद्देश्य मूल्यों को काफी हद तक स्थिर रखना है अथवा मूल्य वृद्धि को रोकना है जा अन्यथा काफी हद तक हो गई होती ।

उपर्युक्त नियम के अंतर्गत अनुबंध-॥ के नियम (III) में यह व्यवस्था है कि जिस मामले में किसी उत्पाद का आयात एक से अधिक दशा में हुआ हा और उनकी एक साथ पाटनरोधी जांच हो रही है तो प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से मूल्यांकन करगा । तथापि, ऐसा मूल्यांकन केवल तभी किया जाएगा जब यह निर्धारित हा जाए कि:-

- (क) प्रत्येक दशा से किए गए आयातों के बारे में डम्पिंग मार्जिन निर्यात मूल्य के प्रतिशत के रूप में व्यक्त किए गए 2 प्रतिशत से अधिक हैं और प्रत्येक दशा से किए गए आयातों की मात्रा भारत में समान वस्तु के आयातों का 3% है और
- (ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वरतु के बीच प्रतिरप्यार्थी की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभावों को संचयी रूप से मूल्यांकन करना उचित है ।

9.1 प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध दशा से किए गए आयातों की मात्रा एवं डम्पिंग मार्जिन उक्त निर्धारित सीमा से अधिक हैं । आयातों के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन करना उचित है क्योंकि भारतीय बाजार में संबद्ध दशों से किए गए निर्यातों की स्पर्धा सीधे घरेलू उद्योग द्वारा घरेलू बाजार में प्रदत्त कीमतों से थी ।

9.2 भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमों के अनुबंध-II(iv) के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, मात्रा स्टॉक, लाभप्रदता निवल विक्री वसूली, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन जैसे संकेतकों पर विचार किया जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं।

9.3 संबद्ध देश से हुए आयात तथा बाजार हिस्सा

(₹ (लाख इकाई))

विवरण	1998-99	1999-2000	2000-2001
संबद्ध देशों से आयात	18.25	46.74	153.99
अन्य देशों से आयात	26.95	65.12	9.57
कुल आयात	45.20	111.86	163.56
कुल आयातों में संबद्ध देशों का	40 %	42 %	94 %
बाजार हिस्सा			
घरेलू बिक्री	24.26	32.21	29.95
माग	69.46	144.07	193.51
माग में घरेलू उद्योग का बाजार	35 %	22 %	15 %
हिस्सा			

जैसाकि ऊपर से देखा जा सकता है, कुल आयातों में संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा 1998-99 के 40% से बढ़कर 2000-2001 में 99% हो गया है। तथापि माग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा कम हो गया है जो 1998-99 के 35% से घटकर 2000-2001 में 15% हो गया।

9.4 उत्पादन एवं क्षमता उपयोग		(लाख इकाई) :-)	
लाख नग	1998-99	1999-2000	2000-2001
स्थापित क्षमता	90	92	184
उत्पादन	27.38	36.65	36.43
क्षमता उपयोग	30 %	40 %	20 %

एक याचिकाकर्ता द्वारा स्थापित क्षमता में वृद्धि किए जाने के बावजूद, धार्साविक उत्पादन वर्ष 1999-2000 की तुलना में वर्ष 2000-2001 में 0.22 लाख इकाई घट गया। वर्ष 2000-2001 में क्षमता उपयोग पिछले दो वर्षों में प्रत्येक वर्ष की तुलना में कम हो गया है। घरेलू उद्योग द्वारा बढ़ी हुई क्षमता का उपयोग नहीं किया जा सका क्योंकि चीन जनगणना तथा हांगकांग से हुए पारित आयातों की मात्रा में काफी वृद्धि हुई थी।

9.5 बिक्री की मात्रा

घरेलू उद्योग की बिक्री वर्ष 1999-2000 में 32.21 लाख नगों की तुलना में वर्ष 2000-2001 में 29.95 लाख नग थी। बिक्रियों में लगभग 7 % की गिरावट दर्ज की गई है।

9.6 कीमतों में कमी तथा कीमत ह्रास

संबद्ध देशों से हुए पारित आयातों के कारण संबद्ध वस्तुओं की पहुँच कीमत याचिकाकर्ताओं की घरेलू कीमत से काफी कम है। इससे याचिकाकर्ताओं के स्टॉक में और वृद्धि हुई है तथा क्षमता उपयोग में कमी आई है।

9.7 स्टॉक

वर्ष 1998-99, 1999-2000 तथा 2000-01 के अत में अंतिम स्टॉक कमशः 1.32 लाख नग, 4.21 लाख नग तथा 10.31 लाख नग थे। प्रतिशतता के रूप में वर्ष 2000-01 के अंतिम स्टॉक में वर्ष 1999-2000 के अंतिम स्टॉक से 145% तक की वृद्धि हुई है।

9.8 लाभ

बढ़ी हुई लागतों तथा गिरती हुई कीमतों ने घरेलू उद्योग की लाभप्रदता को बुरी तरह से प्रभावित किया है। उद्योग को पिछले वर्ष 1999-2000 के दौरान हुए 308.81लाख रु0 के लाभ की तुलना में वर्ष 2000-2001 के दौरान 41.90 लाख रु0 का घाटा हुआ है। केवल एक ही वर्ष में लाभ 144% से भी अधिक तक नीचे आ गया।

अ. कारणात्मक संबंध10.1 कथित रूप से पाठन न करने वाले अन्य देशों से आयातों की मात्रा तथा मूल्य

जांच की अवधि के दौरान चीन जनवादी गणराज्य तथा हांगकांग से देश में कम्पैक्ट फ्लूरोसेंट लैम्सों का हिस्सा कुल आयातों में 94.15 % तक बैठता है। अन्य सभी देशों से आयात जर्मनी को छोड़कर 3 % के न्यूनतम स्तर से भी कम के हुए हैं। जर्मनी से आयात 4.17 % हुए हैं। जर्मनी के लिए औसत प्रति इकाई कीमत चीन जनवादी गणराज्य तथा हांगकांग की इकाई कीमत से काफी अधिक है। अतः अन्य देशों से आयात घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं पहुंचा रहे हैं।

10.2 विद्यारथीन उत्पाद की मांग

वर्ष 2000-01 के पूर्वार्द्ध में मांग वृद्धि को एक याचिकाकर्ता द्वारा पूरा किया गया तथा वर्द्धित उत्पादन-क्षमता का वाणिज्यिक प्रचालन अगस्त, 2000 में शुरू हुआ। घरेलू उद्योग को अपने उत्पादन में वृद्धि करने में कोई बाधा अथवा कठिनाई नहीं है। याचिकाकर्ता अधिक उत्पादन नहीं कर सके क्योंकि अपने उत्पादन को बेचने के लिए उन्हें कोई बाजार नहीं मिल रहा है। घरेलू उद्योग सम्बद्ध देशों से पाठित आयातों की बहुत ही कम कीमतों के साथ प्रतिस्पर्द्धा करने की स्थिति में नहीं हैं अतः काफी बड़ी संस्थापित क्षमता के बावजूद उन्हें कम उत्पादन तथा कम बिक्री करने के लिए बाध्य होना पड़ा।

10.3 याचिकाकर्ताओं की उत्पादन प्रौद्योगिकी वैश्विक रूप से तुलनीय है और वह वही है जो चीन जनवादी गणराज्य में उत्पादकों द्वारा अपनाई गई है। अतः घरेलू उद्योग को लागत में हानि करने वाले अन्य कोई ऐसे कारक नहीं हैं जिनसे लागतों में वृद्धि होती हो।

11.0 निष्कर्ष

उपर्युक्त से यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि:

- सम्बद्ध देशों से भारत में सीएफएल के आयातों में उपभोग के संदर्भ में सम्पूर्ण अर्थों में तथा सापेक्ष रूप से महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है ;
- घरेलू उद्योग की बिक्री में महत्वपूर्ण कमी आई है ।
- घरेलू बिक्री कीमतें सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण कीमत अवमूल्यन तथा कीमत में कटौती के कारण प्रभावित हुई हैं ।
- जांच की अवधि के दौरान उत्पादन कमोबेश स्थिर रहा ।
- पिछले वर्षों की तुलना में जांच की अवधि के दौरान अंतिम स्टॉक में लगभग 145 % तक की वृद्धि हुई ।
- जांच की अवधि के दौरान क्षमता उपयोग बहुत कम अर्थात् 20 % तक था (वर्द्धित क्षमता को ध्यान में रखने के बाद) ।
- घरेलू उद्योग को जांच की अवधि के दौरान हानियां हुईं ।

अ. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

12.1. सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः स्थिति लाना है जो कि देश के सामान्य हित में है ।

12.2. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से सम्बद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्भूत उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है । किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब, जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उस सशि तक ही सीमित कर दी जाए जो कि घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक है । इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, भारतीय

उद्योग का हास रुकेगा और सीएफएल के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहेंगे ।

पाटनरोधी उत्पादों से से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे, इसलिए उपभोक्ताओं के लिए इस उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा ।

13.0 घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को सुनिश्चित करने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए उत्पादन के इष्टतम स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके भारत में घरेलू उद्योग के लिए सीएफएल की उचित बिक्री कीमत पर विश्वास किया है ।

14.0 पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने का निर्णय लिया गया था जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त हो जाएगी । तदनुसार, पाटनरोधी शुल्क आयातों के यू.एस. डालर में प्रति यूनिट पहुंच मूल्य और कालम 3 में उल्लिखित राशि के बीच का अंतर होगा जो केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से अंतिम निर्धारण होने तक सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 85 के तहत आने वाले चीन जनवादी गणराज्य और हांगकांग मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीएफएल के सभी आयातों पर लागू होगा ।

देश	उत्पादक निर्यातक का नाम	संदर्भ कीमत/यूएसडालर में प्रति यूनिट पाटनरोधी शुल्क की राशि	
1	2	3	
चीन जनवादी गणराज्य	मै ० फिलिप एंड यार्मिंग लाइटिंग कं०	चोक के बिना 1.426	चोक के साथ 3.115
हांगकांग	अन्य सभी निर्यातक	1.426	3.115

15.0 इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के सीमाशुल्कों और सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा निर्धारित निर्धारणीय मूल्य होगा ।

16.0 प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों/आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य ज्ञात हितबद्ध पक्षों को अलग से संबोधित किया जा रहा है, जो पत्र के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार

प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है;

ट.) आगे की प्रक्रिया:

17.0 प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा:-

18.0 प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों से इन निष्कर्षों के बारे में टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं और उन पर अंतिम निष्कर्ष निकालते समय विचार किया जाएगा;

19.0 प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों/आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य संबंधित ज्ञात हितबद्ध पक्षों को अलग से संबंधित किया जा रहा है, जो पत्र के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है;

20.0 प्राधिकारी इस पाटनरोधी जांच के प्रयोजन के लिए यथोचित सीमा तक जांच करेंगे।

21.0 प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों को मौखिक उत्तर के लिए अवसर प्रदान करेंगे।

22.0 अंतिम निष्कर्षों की घोषणा करने से पहले प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

NOTIFICATION**PRELIMINARY FINDINGS**

New Delhi, the 2nd November, 2001

Subject :— Anti-Dumping Investigation concerning imports of Compact Fluorescent Lamps (CFL) originating in or exported from China PR and Hong Kong—Preliminary Findings.

No. 34/1/2001-DGAD.— Government of India having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury), Rules, 1995, thereof:

A.PROCEDURE

1. The procedure given below has been followed with regard to the investigations:

- i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s. Indo Asian Fusegear Ltd. and M/s Osram India Ltd., alleging dumping of Compact

Fluorescent Lamps (CFL) originating in or exported from China PR and Hong Kong.

- ii) The preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was, therefore, considered as properly documented.
- iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the Petitioner decided to initiate investigations against alleged dumped imports of Compact Fluorescent Lamps originating in or exported from China PR and Hong Kong. The Authority notified the Embassies of the subject countries in New Delhi about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate investigations in accordance with sub rule 5 (5) of the Rules;
- iv) The Authority issued a Public Notice dated 16th August, 2001 published in the Gazette of India Extraordinary initiating anti-dumping investigations concerning imports of CFL lamps falling under Chapter-85 customs sub-heading no. 8539.31 of the Customs Tariff Act, 1975, originating in or exported from the said countries.
- v) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known producers / exporters of CFL (whose details were made available by the Petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- vi) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known importers (whose details were made available by the petitioner) of Compact Fluorescent Lamps and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;

vii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of Compact Fluorescent Lamps.

viii) The Authority provided copies of the Petition to the Known exporters in the subject countries and importers in India in accordance with Rule 6(3) supra;

ix) The Authority sent a questionnaire, to elicit relevant information to the following known exporters, in accordance with Rule 6(4);

Name of the Exporters :

1. Philips & Yaming Lighting Co. Ltd.66, Liao Yang Road, Shanghai, China, Post Code- 200 082. China
2. Changchun Electric Wire & Bulb Factor 40, Kaiyun Street,, Changchun, Jilin, China,Post Code-130012.
3. Fujian Fuzhou Light Bulb Factory Gongye Road, Fuzhou, Fujian Province, China, Post Code – 350004.
4. Guangzhou Flash Light Industrial Corporation
5. Gunngzhou Panyu Seagull Flash Light Industry Co No. 13, Yushan Da Road, Qiaotown, Panyu ,Guangdong, China,Post Code-511400.
6. Henan Anyang Bulb Factory ,No. 10, Dengta Road, Anyang, Henan, China,Post Code-455000.
7. Jiangsu Xuzhou Everlasting Lighting Electrical Equipment Holding Co. Ltd. ,No. 30, Kuangshan Road, Xuzhou, Jiangsu Province, China, Post Code – 221006.
8. Leging Electric Bulb Factory ,No. 50, Honghe West Road, Hongqiao Leqing, Zhejiang,
9. China, Post Code-325100.
10. Shanghai Yaming Electric Lamp Works Co. Ltd.No. 66, Liaoyang Road, Shanghai, China,Post Code-200082.
11. Chanzhou Redsun Electricals Appliance Manufacturing Co Ltd Haanghe Road, Changzhou Jingsu, China,Post Code 213 023
12. Zhejing Sunlight Group Company Ltd No.129, Fenghan Road,Shangyu City,Zhejing,China
13. Sino-Luxxx Development Ltd ,Nine-Queens Road,Suite No.605-6 , Central HongKong
14. Wai Yat (HongKong) Co Ltd, ,HongKong

Responses were received from the following exporters:

1. M/s. Philips & Yaming Lighting Co. Ltd, China.
2. M/s Zhejiang Yankon Lighting Co., China ;

- x) The Embassies were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 5 (5) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to them, alongwith a list of known exporters/producers
- xi) A questionnaire was sent to the following known importers of CFL in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4);

List of Importers:-----

1. Phillips India Ltd. P-65, Taratolla Road, Calcutta - 700 088.
2. GE Lighting (India) Ltd. H.R. Complex, 310/6, Industrial Main Road, Koramangla V Block, Bangalore - 560 095.
3. Wipro Lighting Tulsi Chambers, Jalna Road, Aurangabad – 431 001 Maharashtra.
4. Samson Lighting Pvt Ltd 33, 6 M.M. Street, Chennai – 600 079 Tamil Nadu
5. Bits and Blaster Computers Pvt. Ltd. 19/1, MC Nichlos Road, ChetPet, Chennai, Tamil Nadu
6. Hameem Trading Company 9, Thambu Chetty Street, Chennai, Tamil Nadu
7. Maa Sherawali Exports,36, East Avenue, Punjabi Bagh, New Delhi
8. Shalimar Electronic Industries,Leader House,9B, Mahal Industrial Estate,,Mahakali Caves Road, Andheri (E), Mumbai – 93
9. M/s. Kumar Electrical, 1311/8, Fasil Road, Asaf Ali Road, Behind City Clinic,Ajmeri Gate, Delhi – 6.
10. M/s. Padam Electricals Ltd., P.S.Bhawan, A-25, G.T.Karnal Road, Industrial Area, Delhi – 33.
11. M/s. Surya Roshini Limited, Padma Tower – I, Rajendra Place,New Delhi – 110 008.
12. M/s. Crompton Greaves Ltd., Lighting Business Group, 405, Concorde, R. C. Dutt Road,Baroda – 390 005

Responses were received from the following:

1. M/s. GE Lighting India Pvt Ltd, Bangalore.
2. M/s WIPRO Consumer Care & Lighting , Bangalore.
3. M/s Leader Electricals Pvt Ltd, Mumbai
4. M/s Gaurav International , New Delhi,
5. M/s Madras Electric Trades Association, Chennai;
6. M/s Philips India,Calcutta.

xii) The Authority made available the non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

xiii) Cost information were called to workout optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP).

xiv) *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

xv) Investigations were carried out for the period starting from 1st April, 2000 to 31st March, 2001.

B. VIEWS OF THE PETITIONERS,EXPORTERS, IMPORTERS & OTHER INTERESTED PARTIES

PETITIONERS VIEWS

2.1 As regards imported product information the petitioners have stated that the production is Compact Fluorescent Discharge Lamps (CFL) with one or more glass tubes and which have all lighting elements, all electronic components and the cap integrated in the lamp foot. CFL with choke/ballast and without choke/ballast are also included. The categories of CFL can be classified according to Watt , life time, number of bendings and position on the base, form of cover etc.

2.2 CFLs are new generation lamps having excellent features such as low power consumption, long life and compact shape.

As regards normal value the petitioners while stating that it has been based on domestic retail sale prices prevalent in China have pointed out that China is a non-market economy.

Hence, the Normal value should be based on constructed value in India, which is treated as a surrogate country, as the domestic sale prices prevalent in China do not reflect fair value of merchandise as China is a non-market economy country which does not operate on market principles of cost and pricing structures.

2.3 As regards to normal value for Hong Kong, Petitioners have stated that there is no manufacturing facility in Hong Kong and exports are only of CFL originating in China. The petitioners have also stated that imports of CFL into India from China and Hongkong have increased quite significantly both in absolute terms.

2.4 During 2000-01 the sales of domestic industry have come down by 7% compared to previous year, when the market size in India has grown by 34%. The domestic sale price is suffering from both price suppression and price due to dumped imports from China and Hongkong. The profits earned by domestic industry have steeply come down.

Normal Value

2.5 The petitioners have claimed that China is to be treated as a non market economy (MNE) and has adopted India as a Surrogate country for calculating the normal value. Though normal value based on domestic sales prices prevalent in China have been calculated they have pleaded that the prices do not reflect the fair value of the goods as China is non-market economy.

Export Price:

2.6 The petitioners have furnished DGCI&S' data for all types of all lamps falling under Heading 8539.31. The DGCI&S data does not provide the break-up of imports of CFL and other lamps. The import data published by secondary sources by M/s. IMPEX statistics service have been furnished for the period of investigation. The IMPEX data give item description. Based on this import of CFL alone has been segregated and furnished

VIEWS OF EXPORTERS

3.1 M/s. Phillips & Yaming Lighting Co./Ltd. China

The exporters have stated that petitioners have wrongly selected India as a surrogate country in their petition. Exporters have stated that domestic sales in China are done through M/s. PITSCO who are indirectly owned by M/s. Royal Phillips Electronic NV. Also Phillips (India) is the sole importer of M/s. Phillip & Yaming Co. in India.

3.2 Also they have stated that some products sold by M/s. Phillips & Yaming Co. are sourced from unrelated companies. Phillips group should be treated as market economy company. The product under consideration may be divided into two separate categories, namely, CFL without ballast and choke and CFL with ballast and choke. The Phillips group has been operating in India for several decades and intends to cooperate fully with the anti dumping investigation.

3.3 M/s. Zhejiang Yankon Lighting Co.Ltd., China

The exporters have stated that they have not exported CFL during the POI. However, they intend to export to India in the near future and would like to seek a new shipper review in accordance with rule 22 of the Anti-dumping Rules.

VIEWS OF IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES:3.4 M/s. WIPRO Ltd., Bangalore

The importers have furnished information in the prescribed questionnaire.

3.5 M/s. GE Ltd., Bangalore

The importers have furnished information in the prescribed questionnaire.

3.6 M/s. Leader Electricals Pvt.Ltd., Mumbai

The importers have provided information in the prescribed proforma.

3.7 Madras Electricals Trades Association, Chennai:

1. The standing of the petitioners is in question and has to be verified.
2. Petitioners Osram India Ltd. and Indo Asian Fusegear Ltd. both imports CFL from China. This is to be verified.
3. The basic difference of cost of CFL in India and in China is because the petitioners have not kept up with the reforms.
4. The capacity of fulfilling demands of market by the petitioners is to be verified.
5. Duty on CFL is already in higher slab. The duty collected from importers of CFL during the period of investigation is to be examined.
6. Imposition of anti-dumping duties on CFL will definitely affect the common user who is benefited from lower prices.

M/s. Gaurav International, New Delhi.

The representative of the company was requested to furnish written submission based on their oral submission. However, the submission has not been received within the stipulated time limit.

C. EXAMINATION OF ISSUES RAISED

4.0 The submissions made by the petitioner, exporters and importers to the extent they are relevant under the Rules and have a bearing upon the case, have been examined and dealt with at appropriate places hereunder.

D PRODUCT UNDER INVESTIGATION:

5. The product involved in the petition is Compact Fluorescent Lamp (CLF) originating in or exported from China PR & Hong Kong. The product is classified under Customs Tariff Heading 85.39.31 under HS Classification and 85.39.31.00 under Indian Customs Tariff Classification. The classification is, however, indicative only and in no way binding on the present investigation. The product covered in this investigation is Compact Fluorescent Discharge Lamps (CFL) with one or more glass tubes and which have all lighting elements, all electronic components and cap integrated in the lamp foot. Compact Fluorescent lamps without choke or ballast are also included.

F LIKE ARTICLE

6.1 Definition of Like Article states as under:

"Like Article means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation."

6.2 The petitioner has claimed that goods produced by it are like articles to the goods produced, originating in or exported from the subject countries. In light of the foregoing, Authority concludes that CFL produced by the petitioner is a Like Article to the CFL imported from China PR & Hongkong.

F DOMESTIC INDUSTRY

7.0 The petition has been filed by M/s. Indo Asian Fusegear Ltd, New Delhi and M/s. Osram India Ltd, Gurgaon on behalf of the domestic industry. The petitioners have claimed that they account for about 59% of the production during the period of investigation and therefore, have the standing to file the petition on behalf of the domestic industry. It has been reported that there are three more producers of subject goods, namely, M/s.Phoenix Lamps India Ltd., Export Processing Zone, Phaze-II, Noida-201 305, and M/s.Starlite Lighting Limited, Satpur, Nasik which are mainly export oriented units and M/s. Punjab Anand Lamp Industries Ltd, Mohali has negligible production of CFL.

7.1 In light of the foregoing, the Authority concludes that the petitioner has the standing to file the petition on behalf of the domestic industry under the rules.

G DUMPING:

8.1 Under Section 9A (1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) "the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular mark situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin alongwith reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin".

Normal Value

- 8.2 The petitioners have claimed that China be treated as a Non Market Economy (NME). Though normal value based on domestic sales prices prevalent in China have been calculated/ furnished, they have pleaded that the prices do not reflect the fair value of the goods as China is non-market economy.
 - 8.2.1 Except for one exporter, none of the exporters from China PR and Hongkong has responded to this anti-dumping investigation.
 - 8.2.2 The Authority notes that M/s Philips & Yaming has furnished information in the questionnaire prescribed for exporters. The Exporter has stated that domestic sales in China are done through M/s. PITSCO who are indirectly owned by M/s. Royal Phillips Electronic NV. In other words, the domestic sales are through a related company. Hence, the domestic sale price cannot be accepted straightaway unless it is demonstrated that the price is not influenced by the relationship. Further, they have stated that some products sold by M/s. Phillips Yaming Co. are sourced from unrelated companies and Phillips group should be treated as market economy company. They have also pleaded that the product under consideration may be divided into two separate categories, namely, CFL without ballast/ choke and CFL with ballast /choke.
 - 8.2.3 The Authority notes that the information furnished for some of the types in Appendix 8 indicating Factory Cost & Profit of Exports to India / Domestic Sales show losses. Further, the exporters have not claimed any adjustments in Appendix 4 for Sales Price Structure for Exports to India /

Domestic Sales. The relevant information in the Appendix 8 has not been furnished in respect of CFL – PLEU/SLM and SLE(with choke /ballast). In the circumstances, Authority relies on the information furnished by the Petitioner and the best information available on record and determines normal value for CFL without/with choke.

8.2.4 The Authority had drawn attention of all interested parties to the following provisions with regard to non-market economies:-

"The term "non market economy country" subject to the Note to this paragraph means every country listed in that note and includes any country which the Designated Authority determines and which does not operate on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise. While making such determination, the Designated Authority shall consider as to whether,-

- (i) *the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;*
- (ii) *the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;*
- (iii) *such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and*
- (iv) *the exchange rate conversions are carried out at the market rate;*

Provided that in view of the changing economic conditions in Russia and in the People's Republic of China, where it is shown on the basis of sufficient evidence in writing on the factors specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms are subject to anti-dumping investigations, the Designated Authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in this paragraph

8.3 The above provisions has been referred to in the initiation notification also. It would be incumbent upon the exporters from China PR to provide sufficient evidence to the Authority in case they claim their exports to be from market economy country. It is, however, noted that M/s. Philips has provided no information in this regard.

8.4 In the circumstances, Authority is prevented from using the information filed by the exporter and, therefore, relies on the information furnished by the Petitioner and the best information available on record to determine normal value for CFL .

8.5 As regards, to Hong Kong, the authority relies on the data furnished for China PR as there is no manufacturing facility at Hong Kong and it is reported that the goods imported from Hong Kong are of Chinese origin. Accordingly, the normal value has been determined for Hong Kong in respect of CFL (without choke) only as claimed.

Export Price:

8.6 M/s Phillips (India) is reportedly the sole importer of Phillip & Yaming Co. in India. Hence, the export price would also appear to be affected by relationship and hence is required to be constructed, based on the resale price of Philips (India) to unrelated buyers in India.

8.7 The Authority notes that M/s Philips & Yaming has furnished information in the prescribed questionnaire for exports to India, sales effected through M/s Phillips (India) who is the sole importer and a related company. The invoice price is not to an independent buyer in India, and hence the information is not relevant.

8.8 Authority also notes that the information provided by the M/s Philips India is well after the stipulated time limit and has not been considered for the preliminary findings.

8.8 M/s Philips and Yaming co., have submitted that the product under consideration may be divided into two separate categories, namely, CFL without choke and CFL with choke. This has been accepted.

8.8 The petitioners have submitted import information based on secondary source viz. M/s IMPEX Statistic Service giving segregated information on import of CFL (without choke and with choke) in to India for the subject countries. This information for period investigation has been relied upon for determining the export price. The Authority has determined export price for China PR after adjusting with respect to freight, insurance, handling charges, discounts, commission. However, the Export price has been determined for Hong Kong in respect of CFL (without choke) only as claimed.

8.10 Dumping Margin:

There is sufficient *prima-facie* evidence that export price to India from subject country were lower than the normal value in the said country thus, there is sufficient evidence that the product under consideration is being dumped in India from the subject country.

8.11 The Rules relating to comparison provides comparison of normal value and export price provides as follows:

"While arriving at margin of dumping Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. A comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level and in respect of sales made and as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case on its merits, for differences which occur price comparability including differences in conditions and terms and sales, taxation, levels of trade quantities, physical characteristics and any other differences which are demonstrated to affect price comparability."

For the purpose of fair comparison between normal value and export price the Authority took into account the information furnished by the petitioners, other interested parties and other published information available with the Authority.

The dumping margins are as under : ---

Name of the Country/ Exporter	In US \$							
	Normal Value		Export Price		Dumping Margin		Dumping Margin %	
Type of CFL	Without choke	With choke	Without choke	With choke	Without choke	With choke	Without choke	With choke
CHINA PR								
M/s Philip & Yaming Lighting Co. Ltd.	***	***	***	***	***	***	214%	168%
All Other Exporters	***	***	***	***	***	***	214%	168%
HONG KONG								
All Exporters	***	-	***	-	***	-	214%	-

H. INJURY:

9.0 Under Rule 11 supra, Annexure-II, When a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...."

In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree;

Rule (iii) of the Annexure II to the Rules requires that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigation, The Authority will cumulatively assess the effect of such imports. Such assessment can be, however, made only if it is determined that:

- a) the margin of dumping in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the import of the like article in India, and
- b) the cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

9.1 The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject countries are more than the limits prescribed above. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the export prices from the subject country were directly competing with the prices offered by the domestic industry in the Indian market.

9.2 For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry such as quantum of imports production, capacity utilisation, sales quantum, stock market share, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

9.3 Imports from subject countries and Market share:

(Lakh Units)

Particulars	1998-99	1999-2000	2000-2001
Imports from subject countries	18.25	46.74	153.99
Imports from other countries	26.95	65.12	9.57
Total imports	45.20	111.86	163.56
Market share of subject countries In total imports	40%	42%	94%
Domestic Sales	24.26	32.21	29.95
Demand	69.46	144.07	193.51
Market Share of DI in the demand	35%	22%	15%

As seen from the above, the market share of subject countries in total imports have increased from 40 % in 1998-99 to 94% in 2000-2001.

However, the market share of domestic industry in the demand has declined from 35% in 1998-99 to 15% in 2000-01.

9.4 Production and Capacity Utilisation:

(Lakh Units)			
Lakh pieces	1998-99	1999-2000	2000-2001
Installed Capacity	90	92	184
Production	27.38	36.65	36.43
Capacity Utilisation	30%	40%	20%

In spite of the increase in installed capacity by one of the Petitioner, actual production came down by 0.22 lakh units in the year 2000-2001 compared to 1999-2000. The capacity utilisation declined in 2000-2001 compared to each of the two previous years. The increased capacity could not be utilised by the domestic industry due to significant increase in the quantum of dumped imports from China PR and Hongkong.

9.5 Sales Volume:

The sales of the domestic industry were 29.95 lakh pieces in the year 2000-2001 as compared to 32.21 lakh pieces in the year 1999-2000. Sales have registered a negative growth of around 7%.

9.6 Price suppression and Price depression:

The landed prices of the subject goods are well below the domestic price of the petitioners due to dumped imports from subject countries. This is coupled with the high inventories and low capacity utilisation of the petitioners:

9.7 Stock:

The closing stock was 1.32 lakh pieces, 4.21 lakh pieces and 10.31 lakh pieces at the close of the three years 1998-99,99-00 and 2000-01 respectively. In the percentage terms, the closing stock during the year 2000-01 has gone up by 145% over the closing stock level of 1999-00.

9.8 Profits: The increased costs and falling prices have adversely affected the profitability of the domestic industry. The industry has suffered a loss of

Rs.41 .90 lakhs in the year 2000-01 compared to the profit of Rs. 308.81 lakh during the previous year 1999-00. The profits have come down quite significantly by over 144% in just one year.

I CAUSAL LINK:

10.1 Volume and value of imports from other countries not alleged to be dumping:

During the period of investigation, imports from China PR and Hongkong constituted 94.15% of total imports of Compact Fluorescent Lamps in to the country. Imports from all other countries are less than the deminimus level of 3% except for Germany, which is 4.17%. The average per unit price for Germany is much higher than unit price for China PR and HK. Therefore, imports from other countries are not causing injury to the domestic industry.

10.2 Demand for the product under consideration:

The expansion was completed by one of the petitioner during the first half of 2000-01 and the increased production capacity has come into commercial operation in August 2000. The domestic industry has no other bottlenecks or difficulties in increasing its production. Petitioners are unable to produce more as they are not finding a market to sell their product. The domestic industry is not in a position to compete with the very low prices of the dumped imports from the subject countries and hence, they are forced to produce less and sell less in spite of huge installed capacity.

10.3 The production technology of the petitioners is globally comparable and is the same as the one followed by the producers in China PR. Therefore, there are no other factors rendering cost disadvantages to the domestic industry, which may contribute to the higher costs.

11.0 CONCLUSIONS:

From the above, it is clearly established that:

- The imports of CFL into India from subject countries have increased quite significantly both in absolute terms and relative to consumption in India;
- The sale of domestic industry has declined significantly;

- The domestic sale prices are suffering from both price suppression and price depression due to dumped imports from subject countries;
- The production has remained more or less static during period of investigation;
- Closing stocks has gone up by around 145% during period of investigation over previous year;
- The capacity utilisation during the period of investigation was as low as 20% (after taking into account the increased capacity)
- The domestic industry has suffered losses during the period of investigation;

J INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

12.1 The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to reestablish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

12.2 It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if they levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of CFL. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

13.0 To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority relied upon reasonable selling price of CFL in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilization for the domestic industry.

14.0 It was decided to recommend provisional anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the anti-dumping duty shall be the difference between amount mentioned in Col. 3 and the landed price of imports per unit in US \$, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of CFL originating and exported from China PR and Hongkong under Chapter 85 of the Custom Tariff, pending final determination.

Countries (1)	Name of the Producer / Exporter (2)	Reference price /Amount of Anti dumping duty per unit in US \$ (3)	
		With out Choke	With choke
CHINA PR	M/s Philip & Yaming Lighting Co. Ltd.	1.426	3.115
	All other exporters	1.426	3.115
HONGKONG	All other exporters	1.426	-

15.0 Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B and 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

16.0 Exporters, importers, petitioners and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.

K FURTHER PROCEDURE

17.0 The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

18.0 The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;

- 19.0 Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority who may make known their views, within forty days of the dispatch of this notification. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- 20.0 The Authority would conduct the verification to the extent deemed necessary for the purpose of this anti-dumping investigation.
- 21.0 The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submission;
- 22.0 The Authority would disclose essential facts before announcing the final findings.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority

